प्रकाशन तिथि : 01 दिसम्बर, 2024
प्रेषण तिथि : 04 दिसम्बर, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 18 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

समारोह पूर्वक मनाई जयपुर के संस्थापक सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती

जयपुर शहर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की जयंती के उपलक्ष्य में श्री राजपूत सभा जयपुर के तत्वाधान में 17 नवंबर को जयपुर के जगतपुरा में स्थित राजपूत सभा छात्रावास में जयंती समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सवाई जयसिंह जी जैसे हमारे महापुरुष जिन्होंने सर्व समाज को साथ लेकर जनता के हित में कार्य किए, सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। उनके पदचिन्हों पर चलते हुए हमें भी जनसेवा को प्राथमिकता देकर कार्य करना चाहिए। समारोह के दौरान समाज के

प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों तथा 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में ऐसे कार्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतिभावान युवा शक्ति की ऊर्जा से ही समाज आगे बढ़ सकता है। इसलिए इस प्रकार की आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि समाज द्वारा ईडब्ल्यूएस सरलीकरण की मांग को पूरा करने के लिए केंद्र में ईडब्ल्यूएस आयोग के गठन के लिए प्रयास जारी है। इसके लिए सभी स्तरों से निरंतर प्रयास जारी रहने चाहिए।

राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि महाराजा सवाई जयसिंह जी कुशल प्रशासक, श्रेष्ठतम नगर नियोजक और प्रजासेवी शासक थे जिनके प्रति आज भी जयपुर की जनता कृतज्ञता रखती है। ऐसे महापुरुषों की स्मृति से प्रेरणा लेकर हम सभी को यथाशक्ति समाज की उन्नति में सहयोगी बनना चाहिए। राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि हमें सभी प्रकार के मतभेदों को भुलाकर समाज के हित में एक होकर कार्य करना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

पारंपरिक रीति से हुआ विश्वराज सिंह मेवाड़ का पगड़ी दस्तूर

नाथद्वारा विधायक और स्वर्गीय महाराणा महेंद्र सिंह मेवाड़ के पुत्र विश्वराज सिंह मेवाड़ का पगड़ी दस्तूर 25 नवंबर को चित्तौड़गढ़ दुर्ग के फतह प्रकाश महल परिसर में पारंपरिक रीति से संपन्न हुआ। सर्वप्रथम विश्वराज सिंह द्वारा वैदिक विधि से संपन्न यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई। इसके पश्चात उन्होंने वहां स्थापित मेवाड़ की राजगद्दी की पूजा की। इसके पश्चात परंपरा अनुसार राव चूंडा जी के वंशज सलूंबर के रावत देवव्रत सिंह ने विश्वराज सिंह को हाथ पकड़कर गद्दी पर बिठाया और तलवार से अपने अंगूठे का रक्त निकालकर उनका राजतिलक किया। राजतिलक के साथ ही मेवाड़ के तोपची खानदान के आमेट निवासी अब्दुल रहमान द्वारा 21 तोपों की सलामी दी गई। कार्यक्रम में राज्य भर से अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं सर्वसमाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

साणंद में विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन

श्री राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद का 16वाँ वार्षिक विद्यार्थी सम्मान समारोह 17 नवंबर को साणंद स्थित जलधारा पार्टी प्लॉट में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शंकरातीर्थ आश्रम साणंद के आनंदनाथ जी बापू के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में धर्मराजसिंह वाघेला छबासर (अधीक्षक, अभिलेखागार गुजरात सरकार) डॉ. मृणाल देवी गोहिल (उप खाद्य नियंत्रक, अहमदाबाद शहर), नटूभा परमार (साणंद), गजूभा वाघेला (बकराणा) सहित अनेकों गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने युवाओं से दृढ़ संकल्प और लक्ष्य पर दृष्टि रखकर निरंतर आगे बढ़ने की बात कही, साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को सदैव याद रखने का आह्वान किया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राव ऊदाजी की 562वीं जयंती मनाई

पाली जिले में जैतारण के निकटवर्ती गाँव बिकरलाई में कंवर सा बावजी सम्पत सिंह फार्म हाउस पर वीर शिरोमणि राव ऊदाजी राठौड़ की 562वीं जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 25 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राव ऊदाजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज ने कहा कि हमारे गौरवशाली इतिहास को हमें बनाये रखना है। ऐसा हम अपने कर्त्तव्य का पालन करके ही कर सकते हैं। कर्त्तव्य पालन ही धर्म है। गीता में भी भगवान कृष्ण ने अर्जुन को उसी कर्त्तव्य अर्थात् स्वधर्म के पालन की बात कही है। पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईड़वा ने बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया और कहा कि सबको साथ लेकर चलें व समाज में निराशा का वातावरण नहीं बनने दें। शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है इसलिए संगठित होकर अपने क्षत्रिय धर्म को निभायें। करण सिंह उचियारड़ा ने कहा कि राव ऊदाजी जैसे महान वीर पुरुष हमारे प्रेरणा स्रोत व आदर्श हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची कृतज्ञता है। राजपूत शिक्षा कोष सचिव श्याम सिंह सजाड़ा, गिरवर सिंह शेखावत, एडवोकेट दिलीप सिंह उदावत, हनुमान सिंह खांगटा, महंत मगनी राम, जैसलमेर जिला प्रमुख प्रताप सिंह आदि वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। भगवान सिंह बिकरलाई ने सभी का आभार व्यक्त किया। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

पिंपरी चिंचवड (पुणे) में स्नेहमिलन का आयोजन

पुणे प्रांत के पिंपरी चिंचवड शहर में श्री क्षत्रिय युवक संघ की रावल मल्लीनाथ शाखा के तत्वावधान में 17 नवंबर को स्नेहमिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल समाजबंधुओं को पवन सिंह बिखरनिया ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन की शक्ति से ही समाज आगे बढ़ता है इसीलिए संघ कड़ी से कड़ी जोड़कर हमें संगठित करने का कार्य कर रहा है। पुणे प्रांत प्रमुख रघुनाथ सिंह बैण्याकाबास ने प्रांत में हो रही सांघिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। दक्षिण भारत प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह चौक, जितेंद्र सिंह आसरलाई, सुरेंद्र सिंह शेरगढ़, रणवीर सिंह शेरगढ़, श्रवण सिंह, मनीषा कंवर देदड़ीयार आदि ने भी अपने विचार रखे और संघ की शाखा में नियमित जाकर अपने व्यक्तित्व में निखार लाने की बात कही। कार्यक्रम में रतन सिंह अमरकोट (पाकिस्तान), जोर सिंह आसरलाई, मोहन सिंह विरोली, पदम सिंह कलावतसर, उम्मेद सिंह रामसन, भैरूसिंह गड़ा, शेर सिंह देदड़ीयार, मोती सिंह बापिणी, मेहताब सिंह पांचला खुर्द सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। जेठू सिंह शेरगढ़, युवराज सिंह, धवल सिंह, दशरथ सिंह साई आदि ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

श्री मल्लीनाथ शाखा मिठड़ी का भ्रमण

बाड़मेर जिले के मिठड़ी गांव की श्री मल्लीनाथ शाखा, बिंजराज सिंह की ढाणी का एक दिवसीय शाखा भ्रमण कार्यक्रम 17 नवंबर को आयोजित हुआ जिसमें शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा हिंगलाज माता मंदिर और बाड़मेर के खजुराहो के रूप में प्रसिद्ध किराडू मंदिर के दर्शन किए गए। भ्रमण के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा इन स्थानों के ऐतिहासिक महत्त्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

सुमेरपुर में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशाला

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला-सह-भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन सुमेरपुर स्थित श्री काम्बेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में 23-24 नवंबर को हुआ। प्रथम दिन सभी प्रतिभागियों ने जवाई पहाड़ी का भ्रमण किया। इसके पश्चात रात्रिकालीन बैठक का आयोजन हुआ जिसमें फाउंडेशन के उद्देश्य सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करके सुमेरपुर में फाउंडेशन की आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की गई। अगले दिन रविवार प्रातःकाल सभी ने पहाड़ी पर स्थित मंदिर में दर्शन किए एवं शाखा का आयोजन किया। इस दौरान संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोड़ता सहित महिपाल सिंह बासनी, ओम सिंह खारिया सोढा, अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज, महिपाल सिंह खूनी गुड़ा, मनोहर सिंह निंबली उड़ा, कुंदन सिंह खैरवा, इंदर सिंह कानपुरा, उम्मेद सिंह ऊण, गोवर्धन सिंह गुड़ा रामा, गिरिराज सिंह कुआड़ा, अभयपाल सिंह सुरजपुरा आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

रानी दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण

उत्तर प्रदेश के बांदा में स्थित रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण 28 नवंबर को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती का शौर्य, त्याग और बलिदान आज भी सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष करने की शिक्षा रानी दुर्गावती के जीवन से मिलती है। बुंदेलखंड ऐसे वीरों और वीरांगनाओं की धरती है, इसलिए यह नमन करने योग्य है। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, जिलाध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष प्रेम स्वरूप द्विवेदी, संतोष गुप्ता सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी अनावरण समारोह में शामिल हुए। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के बांदा जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही कालिंजर दुर्ग में भी रानी दुर्गावती की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

महेशनगर शाखा ने मनाया अधिकतम संख्या दिवस

जयपुर के महेशनगर में लगने वाली श्री आयुवान साप्ताहिक शाखा द्वारा 24 नवंबर को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जयपुर संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा एवं जयपुर शहर प्रांत प्रमुख श्याम सिंह चिरनोटिया सहित 53 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ प्रांत में विशेष शाखाओं का आयोजन

चित्तौड़गढ़ प्रांत में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा समाजबंधुओं को संघ से परिचित कराने के उद्देश्य से विशेष शाखाओं व सामूहिक यज्ञ के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में 17 नवंबर को धोरडिया स्थित चामुंडा माता मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसी दिन चंदेरिया की रिद्धि सिद्धि कॉलोनी में भी विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। 24 नवंबर को चित्तौड़गढ़ के गांधीनगर में स्थित जौहर स्मृति संस्थान भवन परिसर में तथा चंदेरिया में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रमों में समाजबंधुओ को श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य तनसिंह जी के बारे में जानकारी दी गई एवं शाखा, शिविर सहित प्रांत में होने वाले संघ कार्य से भी अवगत कराया गया। संघशक्ति व पथप्रेरक के सदस्य भी बनाए गए।

सर और ओढ़व में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जोधपुर संभाग के लूणी प्रांत के सर गांव में स्थित सुभद्रा माताजी मंदिर के राजपूत सभा भवन में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 नवंबर तक आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि चार दिन के इस शिविर में रहकर जो भी श्रेष्ठ बातें आपने सीखी हैं, जिन सुसंस्कारों और सद्गुणों का अभ्यास किया है, उन्हें केवल अपने तक सीमित नहीं रखना है। इस शिक्षण को आगे गांव-गांव, घर-घर तक हमें पहुंचाना है। इसका माध्यम शाखा है, इसलिए आप जहां भी रहते हैं, वहां संघ की शाखा लगाएं। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर हमें वसुधैव कुटुंबकम् की भावना के साथ समाज, राष्ट्र और मानवता की रक्षा का दायित्व निभाना है। इसके लिए हमें भी पूर्वजों की तरह क्षात्रधर्म का पालन करना होगा। उसके लिए हमें तैयार करने के उद्देश्य से ही संघ इन शिविरों के द्वारा हमारे भीतर क्षत्रियोचित संस्कारों का सिंचन कर रहा है। शिविर में सर, सरेचा, पाल, खुडाला, सनई, पीपरली, गोलिया मगरा, दाईपड़ा खिंचियान, रोहिचा कला, कालीजाल सहित 25 गांवों के 178

शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद शहर प्रांत में ओढव (अहमदाबाद) स्थित आदर्श निवासी विद्यालय में भी एक तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 11 से 13 नवम्बर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन दिग्विजयसिंह पलवाड़ा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि क्षत्रिय का जीवन केवल अपने लिए नहीं बल्कि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए है। गीता में वर्णित क्षत्रिय के सात गुणों - शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्षप्रियता, दान और ईश्वरीय भाव को धारण करने वाला ही सच्चा क्षत्रिय है। श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने शिविरों में खेल, चर्चा, बौद्धिक, प्रार्थना आदि छोटी छोटी गतिविधियों के माध्यम से इन महान गुणों का अभ्यास कराता है। उन्होंने कहा कि हम अपने आपको पहचानें, अपने धर्म और कर्त्तव्य को पहचानें, इस जीवन के उद्देश्य को पहचानें इसीलिए संघ पिछले 78 वर्षों से अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी के दर्शन को पूरे समाज में पहुंचा रहा है। शिविर में साणंद, खोड़ा, रासम, काणेटी और अहमदाबाद शहर से 59 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओं के सहयोग से अहमदाबाद शहर प्रांत के स्वयंसेवकों ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

मातृशक्ति शाखा ने किया ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

श्री क्षत्रिय युवक संघ की बडोड़ा गाँव मातृशक्ति शाखा की स्वयंसेविकाओं का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम 15 नवंबर को आयोजित हुआ जिसमें जैसलमेर के विभिन्न ऐतिहासिक व दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया गया। प्रान्त प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ा गाँव एवं शारीरिक शिक्षिका मनोज कँवर के निर्देशन में स्वयंसेविकाओं द्वारा सर्वप्रथम राजश्री दयालदास की ऐतिहासिक छतरी के दर्शन कर पूजन किया गया। इसके पश्चात बालिकाओं ने 'वार म्यूजियम' का भ्रमण किया जहां भारतीय सेना की वीरगाथाओं तथा सैन्य अस्त्रों-शस्त्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। जैसलमेर दुर्ग के भ्रमण के दौरान इतिहासकार रतन सिंह बडोड़ा गाँव ने बालिकाओं को यहां के इतिहास व कला-संस्कृति से परिचित कराया। इसके बाद यात्रा दल कुलधरा पहुंचा। यहाँ छात्राओं ने प्राचीन ग्राम्य जीवन की झलक देखी तथा भवनों की शिल्पकला देखकर अभिभूत हुई। बुझ झील देखने के बाद उन्होंने नभ डूंगरराय जी माताजी के दर्शन भी किए। शैक्षिक भ्रमण में कुल 81 छात्राओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि 3 से 6 नवंबर तक बडोड़ा गाँव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ था, उसी दौरान बालिकाओं द्वारा शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम तय किया गया था।

जाविया में शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला

जालौर संभाग की दो दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला जाविया स्थित खोडेश्वर महादेव मंदिर में 23-24 नवंबर को आयोजित हुई जिसका संचालन राजस्थान शाखा विस्तार प्रमुख महेंद्र सिंह गुजरावास ने किया। कार्यशाला में रानीवाड़ा, भीनमाल, सांचौर व सिरोही प्रांत की विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख, शिक्षण प्रमुख, विस्तार प्रमुख एवं अन्य स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। गुजरावास ने शाखा के प्रमुख घटकों के बारे में विस्तार से समझाया और कहा कि शाखा में नियमितता और निरंतरता का विशेष महत्त्व है इसलिए शाखा सदैव निश्चित व नियत समय पर ही लगाई जाए। शाखा लगाते समय निर्देशिका में बताए गए नियमों का पालन करना है। शाखा में खेले जाने वाले खेल भी निर्देशिका में दी गई विधि के अनुसार खेलने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शाखा में महीने भर के कार्यक्रम की योजना पूर्व में तैयार कर ली जाए। शाखा में समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम - यथा जयंतियां व उत्सव आदि का भी आयोजन किया जाए। महीने में एक बार अधिकतम संख्या दिवस भी मनाया जाए। कार्यशाला में रतनपुर, मेड़क कल्ला, धामसीन, सुरावा, सेवाड़ा, डूंगरी, चाण्डपुरा, कोमता, जीवाणा, दहिवा, तुरा, सायला, सांचौर, सरण का खेड़ा, पुर, जाविया, कागमाला, धानसा व परावा शाखा के शिक्षकों के साथ संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी, ईश्वरसिंह सरण का खेड़ा, गणपतसिंह पुर, समुद्र सिंह, गजेंद्र सिंह जाविया आदि उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा में बालकों व बालिकाओं के बाल शिविर आयोजित

भीलवाड़ा में 16-17 नवंबर को बालकों व बालिकाओं के दो दिवसीय बाल शिविर आयोजित हुए। बालिकाओं का बाल शिविर भीलवाड़ा के कुम्भा भवन में आयोजित हुआ जिसका संचालन लक्ष्मी कंवर खारड़ा ने किया। इस शिविर में 5-13 वर्ष आयुवर्ग की 55 बालिकाओं ने संघ का प्राथमिक परिचय प्राप्त किया। शिविर में बालिकाओं को स्नेहपूर्ण वातावरण में पारिवारिक भाव, हमारी संस्कृति, जीवन में व्यवस्था के महत्त्व आदि से परिचित कराया गया। बालकों का बाल शिविर कुम्भा विद्या निकेतन में आयोजित हुआ। बृजराज सिंह खारड़ा के

संचालन में इस शिविर में 5-13 वर्ष आयुवर्ग के 75 बालकों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न प्रकार के खेलों, सहगीतों व सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बालकों को सामूहिक व सहयोगी जीवन का प्राथमिक अभ्यास कराया गया।

संपादकीय

अहंभाव और व्यक्तिवाद के विरुद्ध दोहरे संघर्ष की आवश्यकता

अपने भीतर के सामाजिक भाव से प्रेरित होकर जो भी ईमानदारी पूर्वक समाज जागरण के कार्य में प्रयत्नरत होते हैं उन सभी का निरपवाद रूप से यह अनुभव रहता है कि समाज जागरण और संगठित सामाजिक शक्ति के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा अहंभाव और व्यक्तिवाद की है। इसलिए समाज के प्रति पूज्य भाव रखकर समाज की सेवा में नियोजित होने वाले को इस अहंभाव और व्यक्तिवाद के विरुद्ध दोहरा संघर्ष करना होता है। पहला, उसे स्वयं अपने भीतर अहंकार और व्यक्तिवादी दृष्टिकोण को पनपने से रोकना होता है और इसके लिए निरंतर जागृत रहकर आत्म चिंतन करते रहना होता है। यह जीवन पर्यंत साधना से ही संभव है क्योंकि जैसे-जैसे आत्मनिरीक्षण गहरा होता जाता है वैसे-वैसे यह बात भी स्पष्ट होती जाती है कि अहंकार और व्यक्तिवाद के ये विकार हमारे भीतर बहुत सूक्ष्म और प्रच्छन्न रूप में भी उपस्थित रहते हैं और उस रूप में वे केवल सामाजिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि वैयक्तिक चरित्र के उन्नयन से लेकर आध्यात्मिक उन्नति आदि के क्षेत्र में भी बहुत बड़ी बाधाएं हैं। इसलिए समष्टि की सेवा के माध्यम से जीवन के परम लक्ष्य की ओर बढ़ने वाले को अपने भीतरी अहंकार और व्यक्तिवाद से जीवन भर संघर्ष करते रहना होता है।

समाज जागरण के कार्यकर्ता के लिए अहंभाव और व्यक्तिवाद के विरुद्ध संघर्ष का दूसरा स्वरूप है - सामान्य सामाजिक व्यवहार में व्याप्त व्यक्तिवादी दृष्टिकोण को दूर करना। यह बहुत अधिक कठिन कार्य है और इसके लिए निरंतर और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए समाज के सामान्य व्यक्ति के रूप में हम किस प्रकार के व्यक्तित्वों को महत्व प्रदान करते हैं, समाज में हम किन को प्रतिष्ठित और बड़ा मानते और घोषित करते हैं, किन लोगों की व्यक्तिगत प्रतिभा और बाह्य गुणों से प्रभावित होकर हम उनका जाने-अनजाने अनुसरण करने लग जाते हैं, उनकी बातों और विचारों को प्रचारित करने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में सहयोगी बन जाते हैं, इन सब के बारे में चिंतन करना और समाज में उस चिंतन को विकसित करना होगा। ऐसा इसलिए आवश्यक है कि सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्ति विशुद्ध सामाजिक भाव से प्रेरित होकर ही कार्य कर रहे हों, ऐसा आवश्यक नहीं है। अनेक व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और हितों को पूरा करने के लिए भी समाज की सेवा के दावेदार बनते हैं तो कई लोग आत्मप्रदर्शन और अपने अहं की तुष्टि के लिए भी समाज को अपना कार्यक्षेत्र बनाते हैं। ऐसे लोगों के पास अच्छे तर्क भी हो सकते हैं, जानकारियां और अकादमिक ज्ञान भी खूब हो सकता है, भाषण-लेखन आदि की कुशलता सहित अनेक अन्य व्यक्तिगत विशेषताएं भी हो सकती हैं, लेकिन क्योंकि उनकी समस्त गतिविधियां मूलतः उनके व्यक्तिवादी स्वभाव से प्रेरित होती हैं इसलिए अंततः ऐसे व्यक्ति सामाजिक शक्ति के निर्माण में सहयोगी होने की बजाय बाधक ही सिद्ध होते हैं। इसीलिए ऐसे व्यक्तियों की पहचान आवश्यक है जिससे वे अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं, हितों अथवा अहं की तुष्टि के लिए हमारे सामाजिक भाव का दोहन न कर सकें।

अब प्रश्न उठता है कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान कैसे करें? निश्चित रूप से यह कठिन है क्योंकि ऐसे व्यक्तियों के बाह्य व्यवहार के पीछे छिपी वास्तविकता सामान्यतया प्रकट नहीं हो पाती लेकिन यदि हम कुछ सामान्य और मूलभूत सिद्धांतों को कसौटी बनाकर उनके व्यवहार, तर्कों, विचारों आदि का परीक्षण करें तो स्पष्टता से उनकी पहचान हो सकती है। ऐसे व्यक्तियों के तर्कों व विचारों की एकपक्षीयता और उनके आचरण के दोहरेपन से उनकी पहचान सरलता से की जा सकती है। जब कोई हमारे सामने जीवन के केवल नकारात्मक पक्ष को प्रकट करके हमारी घृणा, क्रोध, ईर्ष्या जैसी प्रवृत्तियों को भड़काने का प्रयास करे तो यह समझ लेना चाहिए कि वह किसी न किसी रूप में इस आलेख में पूर्व में वर्णित व्यक्तिवाद का शिकार है। ऐसे ही व्यक्ति किसी के विरुद्ध हमें उकसाने के लिए शास्त्रों से 'शठे शाठ्यम समाचरेत् ' का उद्धरण तो दे देंगे किंतु उन्हीं शास्त्रों में प्रतिपादित 'आत्मवत्सर्वभूतेषु' के दर्शन को स्वीकार करने का साहस नहीं कर पाते। ऐसे व्यक्ति अपने अनैतिक अथवा छलपूर्ण व्यवहार के लिए भगवान कृष्ण की कूटनीति के उदाहरण तक दे देंगे लेकिन कृष्ण जैसी धर्म के मर्म को जानने वाली सूक्ष्म अंतर्दृष्टि के जागरण के लिए आवश्यक साधना के मार्ग को स्वीकार नहीं करते। ऐसे ही व्यक्ति और उनके समर्थक उन्हें त्याग और बलिदान की परंपरा के वाहक बताकर उनकी महापुरुषों से तुलना करने लगेंगे लेकिन दूसरी ओर अपने ही बंधुओं से स्वार्थ, संपत्ति और सत्ता के झगड़ों में लिप्त दिखाई पड़ जाएंगे। ऐसी वैचारिक एकपक्षीयता और दोहरा आचरण व्यक्तिवाद का ही प्रमाण है। वास्तव में तो 'आत्मवत सर्वभूतेषु' के दर्शन को अपने जीवन आचरण का अंग बनाने वाला ही दुष्ट के साथ कठोरता का आचरण करने का भी अधिकारी हो सकता है। सत्य की साधना के द्वारा कृष्ण की भांति धर्म के मर्म को पहचानने वाला ही नियमों और नीतियों के बाह्य स्वरूपों का अतिक्रमण कर भी उनके भीतर के सत्य को प्रतिष्ठित कर सकता है। त्याग जिनके लिए दावे का विषय नहीं बल्कि जीवन जीने का ढंग बन जाए, उन्हीं को महापुरुष की श्रेणी में रखा जा सकता है। इसलिए सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर सक्रिय व्यक्तियों के जीवन को उपरोक्त कसौटियों पर कसकर ही उन्हें हमारे सामाजिक भाव का प्रतिनिधि बनाने का निर्णय करना चाहिए अन्यथा अहंभाव और व्यक्तिवाद से संचालित लोगों द्वारा हमारे सामाजिक भाव के दोहन का क्रम निरंतर चलता रहेगा। व्यक्तिवाद के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सभी रूपों के विरुद्ध संघर्ष करके सामाजिक शक्ति को प्रतिष्ठित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। जो समाज की सामूहिकता में अपने वैयक्तिक स्वरूप को गलाने के लिए प्रस्तुत हों, वे ही व्यक्तिवाद से मुक्त होकर समाज के नवनिर्माण में नींव के पत्थर की भूमिका निभा सकते हैं। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ का संपूर्ण अभ्यास सहयोगी एवं सामूहिक जीवन का अभ्यास है। इस अभ्यास में सामूहिक शक्ति के निर्देशन व मार्गदर्शन में व्यक्ति के सर्वांगीण उन्नयन में तो पूरा सहयोग मिलता है लेकिन अहंभाव और व्यक्तिवाद को हावी होने का कोई अवसर नहीं मिल पाता। आएं, हम भी इस अभ्यास में शामिल होकर अहंभाव और व्यक्तिवाद के विरुद्ध संघर्ष में नियोजित होवें।

श्री राजपूत सेवा समिति रानी की बैठक आयोजित

श्री राजपूत सेवा समिति रानी की बैठक 17 नवंबर को पाली जिले के नाडोल में स्थित आशापुरा माताजी मंदिर में आयोजित हुई। समिति के अध्यक्ष छैल सिंह राठौड़ डुठारिया की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में 25 दिसंबर को रानी में आयोजित होने वाले राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

समारोह के आयोजन हेतु विभिन्न सहयोगियों को दायित्व भी सौंपे गए। बैठक में बताया गया कि राजकीय व निजी क्षेत्र में नियुक्ति पाने वाले युवाओं एवं शिक्षा, खेलकूद, एनसीसी, स्काउट, आईआईटी, आईआईएम, नीट, एमबीए इत्यादि में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। उपरोक्त क्षेत्रों में पात्र प्रतिभाशाली 15 दिसंबर 2024 तक समिति के पास अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। बैठक में शैतान सिंह ईटन्दरा, करणसिंह, हीर सिंह लोड़ता, विक्रमसिंह छोटी रानी, राजेंद्रसिंह जवाली, भीम सिंह गुड़ा पृथ्वीराज, महावीर सिंह गुड़ा भीमसिंह, माधोसिंह पादरली सिंधलान, मनोहरसिंह मेवी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

नारायणसिंह जाडन बने पंचायती राज संगठन के महासचिव

पाली जिले के जाडन गांव के निवासी नारायण सिंह राठौड़ को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के वरिष्ठ महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा 21 नवंबर को उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए गए। जाडन अनेक वर्षों से पंचायती राज संगठन से जुड़े हुए हैं एवं वर्ष 2014 से 2016 तक पाली के जिला संयोजक एवं वर्ष 2016 से 2019 तक जोधपुर संभाग के संयोजक का दायित्व निभा चुके हैं। 2019 से वे संगठन के प्रदेश महासचिव का दायित्व निभा रहे थे। जाडन 2010 से 2015 तक मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति के सरपंच संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

साहित्यकार दीपसिंह रणधा को गोपीदेवी चांडक स्मृति पुरस्कार

भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला एवं सामाजिक जागरण को समर्पित संस्था 'विविधा' (सूरतगढ़) द्वारा 'विविधा सृजन पुरस्कार 2024' के तहत बाड़मेर के डिंगल रसावल साहित्यकार दीपसिंह भाटी रणधा का 'श्रीमती गोपीदेवी चांडक स्मृति पुरस्कार' हेतु चयन किया गया है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ एन.के.सोमानी ने बताया कि यह पुरस्कार उनकी काव्य कृति 'डिंगळ रसावळ' राजस्थानी पद्य पुस्तक पर दिया जा रहा है। 20 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाले संस्था के स्थापना दिवस समारोह में रणधा को नकद राशि, प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न व श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

स्मिता सिंह बनी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

कोरबा जिले की निवासी स्मिता सिंह को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा छत्तीसगढ़ की महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तोमर, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमलता सिंह तोमर, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह परिहार एवं अन्य पदाधिकारियों की अनुशंसा पर 20 नवंबर को उनकी नियुक्ति की गई है।

अमन सिंह और और आदित्य प्रताप सिंह का राजस्थान क्रिकेट टीम में चयन

उदयपुरवाटी के नागल गांव के निवासी अमन सिंह शेखावत और नागौर के सुखवासी गांव के निवासी आदित्य प्रताप सिंह राठौड़ का राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सैयद मुश्ताक अली टी - 20 (रणजी) टीम में चयन किया गया है। अमन सिंह झुंझुनू जिले की ओर से क्रिकेट खेलते हैं और राजस्थान चैलेंजर ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन हुआ है। आदित्य प्रताप सिंह राजसमंद जिला टीम की ओर से क्रिकेट खेलते हैं।

आजाद सिंह राठौड़ बने कांग्रेस के शोध विभाग के प्रदेश संयोजक

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव एवं युवा नेता आजाद सिंह राठौड़ को दूसरी बार अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के शोध विभाग का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। राज्य में आगामी पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों के चलते एआईसीसी संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 21 नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी कर घोषणा की। राठौड़ की ओर से विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी हित में किए कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। आजाद सिंह राठौड़ पार्टी में इससे पूर्व विभिन्न भूमिकाओं में कार्य कर चुके हैं।

अखिल भारतीय राजपूत क्षत्रिय महासभा मनेंद्रगढ़ की कार्यकारिणी का गठन

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ में स्थित विजय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में 16 नवंबर को अखिल भारतीय राजपूत क्षत्रिय महासभा मनेंद्रगढ़ (एमसीबी) की बैठक आयोजित हुई जिसमें संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में इंद्रा सेंगर, जानकी शरण सिंह सेंगर, मिथलेश्वर सिंह व नारायण सिंह को संस्था का संरक्षक चुना गया। संजय सिंह सेंगर को अध्यक्ष, अधिवक्ता आशीष सिंह को सचिव एवं अशोक कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी के सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी भी बैठक के दौरान चुने गए। सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को समाज के हित में निरंतर क्रियाशील रहने की शपथ भी दिलाई गई। बैठक में मनेंद्रगढ़ जिले में सघन संपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

नागाणा में राजपूत परिवार की अनुकरणीय पहल

नागाणा गांव के सज्जन सिंह राठौड़ के परिवार ने गांव के वाल्मीकि परिवार की कन्या के विवाह में अनुकरणीय पहल करते हुए अपने परिसर में विवाह संपन्न करवाया और दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर तोरण बंधवाया। सभी ग्रामवासियों ने भी विवाह की व्यवस्था में सहयोग किया और राठौड़ परिवार की इस सकारात्मक पहल की सराहना की।

जयपुर से नागाणा धाम के लिए रोडवेज बस सेवा प्रारंभ

राठौड़ वंश की कुलदेवी नागणेच्या माता के श्रद्धालुओं के लिए राजस्थान रोडवेज की ओर से जयपुर से जोधपुर होते हुए नागाणा के लिए बस सेवा प्रारंभ की गई है। 21 नवंबर को बस के प्रथम बार नागाणा पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से सहायक प्रबंधक उत्तम सिंह इंदा ने बस का स्वागत किया, साथ ही बस के चालक उम्मेद सिंह राठौड़ का सम्मान किया गया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	25.12.2024 से 28.12.2024 तक	रानियावास, नायला - आगरा रोड, जयपुर **संपर्क सूत्र** - राजवीर सिंह नायला, राजेन्द्र सिंह रानियावास
02.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	आदर्श स्कूल, देचू (जोधपुर संभाग) **नोट** - इस माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।
03.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	आदर्श महाविद्यालय, देऊ फांटा, नागौर फलोदी रोड पर स्थित (नागौर से प्रत्येक घंटे कृषि मंडी से बस उपलब्ध है। खींवसर से सीधी बसे हैं, नोखा से आने वाले पांचौड़ी उतरकर पहुँच सकते हैं। जोधपुर से आने वाले खींवसर या नागौर उतरकर पहुँच सकते हैं। ओसिया, बापिनी, फलोदी, लोहावट, जैसलमेर से भी सीधी बसें हैं। बीकानेर से आने वाले गोगेलाव या नागौर उतर कर पहुंच सकते हैं। शेखावाटी, जयपुर, डीडवाना, लाडनू, कुचामन, मेड़ता, डेगाना वाले नागौर उतर कर कृषि मंडी से बस पकड़ें। **संपर्क सूत्रः** ओंकार सिंह देऊ - 9828580440, विक्रम सिंह देऊ - 8769014184 **नोट** - इस माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।
04.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	मारूड़ी (बाड़मेर)।
05.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	रायसर (बीकानेर)।
06.	मा.प्र.शि.	25.12.2024 से 31.12.2024 तक	बेरसियाला (जैसलमेर)।
07.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	26.12.2024 से 29.12.2024 तक	जयमलकोट (पुष्कर)।
08.	मा.प्र.शि.	30.12.2024 से 05.01.2025 तक	राजपूत समाज धर्मशाला, रामदेव मंदिर परिसर, कचनारा (नाहरगढ़), जिला-मंदसौर, मध्यप्रदेश (मंदसौर से नाहरगढ़-रुपणी-बिशनिया जाने वाली सड़क पर रामदेव मंदिर कचनारा पर उतरें) **नोट** - इस माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।
09.	मा.प्र.शि.	11.01.2025 से 15.01.2025 तक	हैदराबाद (तेलंगाना)।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

शिक्षा नेग के रूप में निभाया सामाजिक दायित्व

25 नवंबर को पाली जिले के सोवनिया गांव में वधू जशोदा कंवर व वर हुकम सिंह भाटी के विवाह के अवसर पर कन्या के पिता नवरत्न सिंह चम्पावत ने राजपूत शिक्षा कोष को इक्यावन सौ रुपए और दूल्हे के पिता सूरजभान सिंह ने ग्यारह हजार रुपए शिक्षा नेग के रूप में भेंट किए। उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव के निर्देशन में राजपूत शिक्षा कोष ट्रस्ट, जो मारवाड़ राजपूत सभा भवन में संचालित है, द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनकी शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का अभियान चलाया जा रहा है जिसके लिए समाजबंधुओ को विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर शिक्षा नेग के रूप में सहयोग देने का निवेदन किया जाता है। राजपूत शिक्षा कोष की ओर से सचिव श्याम सिंह सजाड़ा, एडिशनल एसपी किशोर सिंह सजाड़ा, जसपाल सिंह राणावत सांडेराव, कान सिंह राणावत, जगपाल सिंह बाला, लक्ष्मण सिंह गिरवर, भीम सिंह सोवनिया, जसवंत सिंह ठाकुरला, नरेंद्र सिंह सांडेराव, किशन सिंह डिंगाई, भरत सिंह भाकरी, युवराज सिंह कुरना आदि उपस्थित रहे और सभी का आभार व्यक्त किया। 22 नवंबर को पाली जिले के मनिहारी गांव में शंभू सिंह चंपावत की सुपुत्री हुकुम कंवर एवं मंडली दर्जियां निवासी सूर्यप्रताप सिंह राजावत के विवाह में वधू पक्ष की ओर से ग्यारह हजार एवं वर पक्ष की ओर से इक्कीस हजार रुपए शिक्षा नेग के रूप में राजपूत शिक्षा कोष को भेंट किए गए। राजपूत शिक्षा कोष के कार्यों से प्रभावित होकर कर्नल केसर सिंह शेखावत ने भी अपनी ओर से इक्कीस हजार रुपए एवं एडवोकेट महेंद्र सिंह बोलागुड़ा ने ग्यारह हजार रुपए भेंट किए। राजपूत शिक्षा कोष के जगपाल सिंह बाला एवं प्रताप सिंह सोवनिया ने उपस्थित समाज बंधुओ को कोष के उद्देश्य एवं कार्यों के बारे में बताया एवं भेंटकताओं का आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार जोधपुर जिले के खाराबेरा गांव के अर्जुन सिंह के पुत्र जितेंद्र सिंह व लवेरा कला के दुर्ग सिंह भाटी की पुत्री नीरू कंवर के विवाह के अवसर पर वर एवं वधू पक्ष द्वारा ग्यारह-ग्यारह हजार रुपए शिक्षा नेग के रूप में भेंट किए गए। साथ ही राजपूत हॉस्टल बावड़ी के लिए भी आर्थिक सहयोग दिया गया। इस अवसर पर राजपूत शिक्षा कोष के उपाध्यक्ष बिशन सिंह सोढा, कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खींची, ओम सिंह खाराबेरा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सज्जन सिंह खाराबेरा, शिक्षक नेता ईश्वर सिंह राठौड़, भवानी सिंह पूर्व उप प्रधान, रामचंद्र सिंह खींची, उम्मेद सिंह पालड़ी, बिशन सिंह खाबड़ा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

क्षत्रिय महासभा शिवपुरी का दीपावली स्नेहमिलन

मध्यप्रदेश में क्षत्रिय महासभा, जिला शिवपुरी का दीपावली स्नेहमिलन कार्यक्रम बड़ौदी गांव में स्थित मेहर प्रेम आश्रम में 17 नवंबर को आयोजित हुआ। इस अवसर पर चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रघुवीर सिंह गौर ने महासभा द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलता है। अंजलि भदौरिया ने अपने विचार रखते हुए समाज में एकता लाने एवं कुरीतियों को दूर करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन अंगद सिंह तोमर द्वारा किया गया। महासभा के शहर अध्यक्ष रविंद्र सिंह सेंगर ने सभी का आभार व्यक्त किया। अंत में अन्नकूट के आयोजन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खेमाणा में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

12 नवंबर को देव उठनी एकादशी के अवसर पर भीलवाड़ा जिले के खेमाणा गांव में स्थित सती माता अंतर कंवर सा के थान पर राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में 71 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। पुष्कर के समताराम जी महाराज ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को नशे व दहेज की कुरीतियों से मुक्त करने की दिशा में इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। करणी सेना मुंबई के अध्यक्ष जगदीश सिंह भाणुजा, सूरत राजपूत समाज के अध्यक्ष गोविंद सिंह दहीमथा आदि ने भी अपने विचार रखे। फतेह सिंह खेमाणा एवं मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर आयोजन व्यवस्था का जिम्मा संभाला। उल्लेखनीय है कि विगत दस वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में अब तक 700 से अधिक विवाह संपन्न हो चुके हैं। सम्मेलन में श्री क्षत्रिय युवक संघ के साहित्य की स्टॉल भी लगाई गई और संघशक्ति - पथप्रेरक के सदस्य बनाए गए।

शहादत दिवस पर रक्तदान शिविर और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

जोधपुर जिले के बालेसर क्षेत्र के खिरजां खास गांव के शहीद प्रभुसिंह राठौड़ का अष्टम शहादत दिवस 22 नवंबर को शहीद के पैतृक गांव में स्थित उनके स्मृति स्थल पर मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने स्मारक पर पहुंचकर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की। शहादत दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर शहादत व रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें 101 रक्तदाताओं ने शहीद की स्मृति में रक्तदान किया। इससे पूर्व शहीद प्रभुसिंह की स्मृति में 19 से 22 नवंबर तक कबड्डी व वॉलीबॉल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दलों

को स्मृति चिह्न व प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि चार बहिनों के इकलौते भाई प्रभुसिंह राठौड़ 24 वर्ष की आयु में देश की रक्षा करते हुए जम्मू कश्मीर के माछिल सेक्टर में 22 नवंबर 2016 को आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हो गए थे। शहीद प्रभुसिंह के पिता चंद्रसिंह राठौड़ भी सेना से सेवानिवृत्त हैं। शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए क्षेत्र के अनेकों गणमान्य व्यक्ति एवं शहीद के परिजन भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

समारोहपूर्वक...

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि युवा शक्ति को सही मार्गदर्शन मिलते रहना चाहिए जिससे उनकी ऊर्जा समाज के हित में प्रयुक्त हो सके। बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने सवाई जयसिंह के खगोलीय एवं गणितीय ज्ञान के बारे में बताते हुए जयपुर के नगर नियोजन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि हम सभी मिलकर कार्य करें तो समाज की सभी समस्याओं का समाधान निकल सकता है। राजपूत सभाध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं सवाई जयसिंह जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला, साथ ही राजपूत सभा द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज की विधवा महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से सिलाई मशीन भी वितरित की गई। धीर सिंह शेखावत एवं सुरेंद्र सिंह नरूका ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में राजपूत सभा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं स्थानीय समाजबंधु शामिल हुए।

राव ऊदाजी...

कार्यक्रम में 10-12 वी कक्षा में 90% तक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ियों, राजकीय सेवाओं में चयनित समाजबन्धुओं सहित विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की 50 से अधिक प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन प्रतिभाओं में एशियाई खेलों में घुड़सवारी में स्वर्ण पदक विजेता व अर्जुन अवार्ड से सम्मानित दिव्याकृति सिंह व धरोहर संरक्षण व शिलालेखों को खोजकर इतिहास के मुल स्त्रोतों को प्रकाश में लाने के लिए कार्यरत 'सेव ऑवर हेरिटेज फाउण्डेशन' के संयोजक महिपाल सिंह उदावत भी शामिल रहे। समारोह में नागौर जिला परिषद सदस्य मनोहर सिंह थांवला, नगर निगम पार्षद जोधपुर रेवत सिंह इंदा, भोपाल सिंह बड़ला, श्याम सिंह आकोदिया, सेवानिवृत्त सीओ अजीत सिंह दोरनड़ी, राजेन्द्र सिंह गुड़िया, चन्द्रभान सिंह बिकरलाई, राजेन्द्र सिंह लिलिया, भागीरथ सिंह गरणिया सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंच संचालन नन्दलाल सिंह बाबरा और हरजीत सिंह निम्बाज ने किया।

साणंद में...

श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग प्रमुख बटुक सिंह काणेटी ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए युवाओं से शाखा व शिविर में नियमित जाने की बात कही। समारोह के दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद के नए प्रमुख के रूप में हरपालसिंह खोड़ा (सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त, जीएसटी) को मनोनीत किया गया एवं शक्तिसिंह काणेटी को संस्थान के मंत्री का दायित्व सौंपा गया। ट्रस्ट के कई अन्य पदों के लिए भी नए सदस्यों का मनोनयन किया गया।

मणिपुर में शहीद हुए झुंझुनू के विनोद सिंह शेखावत

झुंझुनू जिले के काजड़ा गांव के निवासी व भारतीय सेना के जवान विनोद सिंह शेखावत 24 नवंबर को मणिपुर में शहीद हो गए। शहीद की पार्थिव देह 25 नवंबर को उनके पैतृक गांव पहुंची जहां गार्ड ऑफ ऑनर देकर सैन्य सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि की गई। स्थानीय विधायक, झुंझुनूं कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जिले भर के अनेकों गणमान्य लोग व आमजन इस दौरान उपस्थित रहे। अंत्येष्टि से पूर्व शहीद के सम्मान में तिरंगा यात्रा भी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने शामिल होकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। वर्ष 2004 में भारतीय सेना में भर्ती हुए विनोद वर्तमान में सेना की इन्फैंट्री बटालियन 2 महार रेजिमेंट में हवलदार के पद पर तैनात थे। 23 नवंबर को सर्विलांस ड्यूटी के दौरान 42 वर्षीय विनोद सिंह की तबीयत बिगड़ गई जिससे उन्हें मणिपुर के इम्फाल में स्थित शिजा हॉस्पिटल व शोध संस्थान ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। शहीद के परिवार में वीरांगना, एक बेटा, एक बेटी और तीन भाई हैं।

राजपूत सभा बहादुरगढ़ की बैठक संपन्न

हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर में राजपूत सभा बहादुरगढ़ की बैठक 18 नवंबर को आयोजित हुई। बैठक में केसरिया हिन्दू वाहिनी मुख्य मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव नियुक्त होने पर दिनेश सिंह शेखावत का सम्मान किया गया। संजय अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. संजय सिंह, जिनको हाल ही में ब्रिटेन की हाउस ऑफ लार्डस द्वारा ग्लोबल प्रेस्टीजियस अवार्ड से सम्मानित किया गया था, का भी कार्यक्रम में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेता दिनेश कौशिक सेवामूर्ति ने राजपूत सभा के महाराणा प्रताप भवन के लिए एक लाख ग्यारह हजार रुपए का सहयोग देने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में राजपूत सभा के प्रधान कमल सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष कल्याण सिंह, महासचिव प्रधुमन सिंह, पंजाब सिंह, कुंवर सतबीर सिंह चौहान, सुधीर शेखावत, देवेंद्र सिंह, आकाश सिंह, वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, धर्मेंद्र सिंह राठौर, जय सिंह, अखिलेश शेखावत, अवतार सिंह निर्वाण, प्रहलाद सिंह राठौड़, गोपाल सिंह शेखावत, पृथ्वी सिंह तंवर, राकेश सिंह सहित अनेकों समाजबंधु मौजूद रहे।

मुंजासर में होगा राव रूपाजी राठौड़ की प्रतिमा का अनावरण

फलौदी क्षेत्र के मुंजासर गांव में 8 दिसंबर को रूपावत राठौड़ वंश के मूल पुरुष राव रूपाजी राठौड़ की मूर्ति का अनावरण समारोह पूर्वक किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। रूपावत राठौड़ सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस समारोह में आस पास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाजबंधु शामिल होकर राव रूपाजी को श्रद्धांजलि देंगे।

गुरुग्राम राजपूत सभा के अध्यक्ष का देहावसान

गुरुग्राम राजपूत सभा के अध्यक्ष व हरियाणा प्रतिनिधि सभा के महासचिव तिलक राज चौहान का 24 नवंबर को एक सड़क दुर्घटना में देहावसान हो गया। हरियाणा के गुरुग्राम जिले की पटोदी तहसील के वजीरपुर गांव के निवासी तिलकराज राजस्थान के झालावाड़ में एक विवाह समारोह में शामिल होकर वापिस लौट रहे थे जब टोंक जिले के देवली थाना क्षेत्र के सिरोही गांव में बजरी से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर उनकी कार पर पलट गया जिससे चौहान की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना में उनकी पत्नी भी घायल हो गई। एक कर्मठ व निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचान रखने वाले तिलकराज चौहान का असमय निधन सभी के लिए दुखद है। चौहान श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य में भी सहयोगी रहे एवं पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में गुरुग्राम व आसपास के क्षेत्र में समाजबंधुओं से संपर्क में उनका सहयोग रहा था।

बाबूसिंह केशवना को पितृशोक

श्री हड़मत सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक बाबूसिंह केशवना के पिता **श्री हड़मत सिंह** का देहावसान 17 नवंबर 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

जसवंत सिंह काणेटी को मातृशोक

सजन बा

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक जसवंत सिंह काणेटी के माताजी **सजन बा** धर्मपत्नी श्री प्रवीण सिंह वाघेला का देहावसान 18 नवंबर 2024 को 66 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

नारायण सिंह अजीत का देहावसान

नारायण सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **नारायण सिंह जी अजीत** (जिला - बालोतरा) का देहावसान आज 17 नवंबर 2024 को हो गया। वे नवंबर 2001 से संघ के संपर्क में आए। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

वयोवृद्ध स्वयंसेवक कैलाशपाल सिंह इनायती का देहावसान

कैलाशपाल सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक **श्री कैलाशपाल सिंह इनायती** का देहावसान 20 नवंबर 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 81 प्रशिक्षण शिविर किए एवं पूज्य तनसिंह जी के निकट संपर्क में भी रहे। उनके द्वारा किए गये शिविरों में 18 उच्च प्रशिक्षण शिविर, 37 माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, 19 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर एवं 7 विशेष प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। अगस्त 1955 में जोधपुर में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

जैसलमेर में प्रतिभा सम्मान समारोह व कर्मचारी संवाद कार्यक्रम

जैसलमेर स्थित श्री जवाहिर राजपूत छात्रावास में 17 नवंबर को क्षत्रिय कर्मचारी जिला संस्थान, जैसलमेर के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह व कर्मचारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जैसलमेर जिले के विभिन्न राजकीय विभागों में कार्यरत राजपूत कर्मचारी व अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में राजकीय सेवा में चयनित जैसलमेर की राजपूत प्रतिभाओं को स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जैसलमेर महारावल चैतन्य राज सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार स्वधर्म का पालन करते हुए गौरवशाली इतिहास का निर्माण किया उसी भांति हम भी अपने कर्त्तव्य का पालन करें और नए इतिहास का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि जनसेवा की भावना हमारे रक्त में है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना ही क्षत्रिय का कर्त्तव्य है। पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता की पहचान उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके आचरण से होती है। यदि हमारा आचरण श्रेष्ठ होगा तो आने वाली पीढ़ी भी हमारा अनुसरण करेगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया, साथ ही पारिवारिक व सामाजिक आयोजनों में अपव्यय को रोककर शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। जैसलमेर विधायक छोटू सिंह ने कहा कि आज का युग शिक्षा का युग है

लेकिन शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी होना आवश्यक है। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन को आवश्यक बताया और इस आयोजन के लिए संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया। नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने कहा कि आज का समय तलवार का नहीं कलम का है। आज के इस लोकतंत्र में हम कहीं पीछे ना रह जाए इसलिए संगठित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में प्रतिभाएं तो बहुत हैं परंतु उनको अच्छा मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग भी मिलना आवश्यक है। जिला कोषाधिकारी व संगठन के कोषाध्यक्ष देरावर सिंह सांकड़ा ने संगठन के उद्देश्यों, कार्यों व आवश्यकता के बारे में बताया और नव चयनित प्रतिभाओं को अपने कार्य के प्रति सजग व निष्ठावान रहते हुए समाज व राष्ट्र की सेवा करने की बात कही। जैसलमेर उप अधीक्षक रूप सिंह इंदा ने राजकीय सेवा में अवसर, साइबर क्राइम से बचाव आदि के संबंध में जानकारी दी। डॉ. प्रेम कंवर पूनमनगर ने बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने, बालिका शिक्षा के विस्तार हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने, दहेज प्रथा को रोकने, सरकारी सेवा में कार्यरत बंधुओं को समाज सेवा में अग्रणी रहने की बात कही। महिला बाल संरक्षण अधिकारी चंद्रवीर सिंह ने वर्तमान युग की आवश्यकता के रूप में अंग्रेजी शिक्षा व न्याय विभाग में चयन के अवसरों के बारे कर बताया। संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तेजमालता द्वारा अतिथियों, कर्मचारियों तथा राजपूत सेवा समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में पीएमओ चंदन सिंह रामदेवरा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह, राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी नारायण सिंह, विकास अधिकारी सांकड़ा नरपत सिंह, विकास अधिकारी दिनेशपाल सिंह रूपसी, विकास अधिकारी नाथूसिंह, सहायक विकास अधिकारी भगवान सिंह, पर्यटन अधिकारी खेमेंद्र सिंह जाम, नगरपालिका ईओ झब्बर सिंह जोधा के साथ सैकड़ों की संख्या में क्षत्रिय कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साफा बांधने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

नौ गांवों की बैठक कर लिया नशा मुक्ति का संकल्प

जोधपुर जिले की बालेसर तहसील में 24 नवंबर को ग्राम अमृतनगर स्थित चामुंडा माता मन्दिर में ग्राम पंचायत बालेसर सत्ता, जलन्धरनगर और जैतसर के नौ राजस्व गांवों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें राजपूत, सुथार और सैन समाज के लोगों ने मिलकर शादी समारोह और औसर-मौसर को नशा मुक्त रखने का निर्णय लिया। बैठक में समाज में फैली सभी प्रकार की कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प दोहराया गया। राजपूत समाज में गंगाप्रसादी पर कोटडियों एवं परगने के आयोजनों को बन्द करने का निर्णय लिया गया। बैठक में गोकुलसिंह अमृतनगर ने सामाजिक

समरसता और बन्धुत्व भाव को बढाने पर बल देते हुए लिए गए निर्णयों की दृढ़ता से अनुपालना करने की बात कही। बैठक के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिवंगत स्वयसेवक स्व. गोरखसिंह बालेसर सत्ता को याद करते हुए उनके द्वारा कुरीतियों को समाप्त करने में किये प्रयासों की सराहना की गई। कैप्टन खुशालसिंह, डूंगरसिंह, कैप्टन देवीसिंह, पंचायत समिति सदस्य कुन्दनसिंह, मूलसिंह, जब्बरसिंह, किशोरसिंह, खेतसिंह, जेठूसिंह, नाथूसिंह, मदनसिंह, प्रकाशसिंह सहित अनेकों बंधुओं ने बैठक में अपने विचार प्रकट किए।

चार राज्यों में 12 क्षत्रिय विधायक पहुंचे विधानसभा

हाल ही में महाराष्ट्र एवं झारखंड में विधानसभा चुनाव एवं उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान आदि में उपचुनाव संपन्न हुए। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचना के अनुसार इन चुनावों में निम्न 12 क्षत्रिय विधायक विजयी हुए हैं -

झारखण्ड विधानसभा चुनाव

1. **झरिया:** रागिनी सिंह (बीजेपी)
2. **रांची:** सीपी सिंह (बीजेपी)
3. **जमशेदपुर पश्चिमी:** सरयू राय (जेडीयू)
4. **बोकारो:** श्वेता सिंह (कांग्रेस)
5. **बेरमो:** अनूप सिंह (कांग्रेस)
6. **विश्रामपुर:** नरेश सिंह (राजद)
7. **भवनाथपुर:** अंनत देव सिंह (जेएमएम)

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

8. **सिंदखेड़ा:** जयकुमार रावल (बीजेपी)
9. **कटोल:** चरण सिंह ठाकुर (बीजेपी)
10 **पचौरा:** किशोर पाटिल (शिवसेना)

उत्तरप्रदेश उपचुनाव

11. **कुंदरकी:** ठाकुर रामवीर सिंह

बिहार उपचुनाव

12. **रामगढ़:** अशोक कुमार सिंह (बीजेपी)

हिसार में स्थानीय समाजबंधुओं की बैठक संपन्न

हरियाणा के हिसार शहर में स्थित राजपूत धर्मशाला में स्थानीय समाजबंधुओं की एक बैठक 24 नवंबर को आयोजित हुई। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ से युवाओं को जोड़ने,

हिसार जिले के युवाओं के लिए कैरियर वर्कशॉप का आयोजन करने, शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले समाजबंधुओं के बीच संपर्क और आपसी समन्वय आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई और तदनुरूप कार्ययोजना तैयार की गई। आपसी संपर्क को बढ़ाने के उद्देश्य से हर महीने के दूसरे रविवार को नियमित बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। संघ के हिसार प्रांत के प्रांत प्रमुख अरविन्द सिंह बालवा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। बैठक में तपन सिंह चौहान, भागेन्द्र सिंह चौहान, अशोक सिंह राठौड़, राजकुमार सिंह छौंकर, हरि सिंह मिठड़ी, मनोज राणा, अनिल सिंह चौहान, ऋत्विक सिंह परमार, तेजपाल सिंह चूंडावत, यशवर्धन सिंह आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में लगेगी प्रताप की मूर्ति, राजपूत समाज ने किया भूमि पूजन

हरियाणा के महेंद्रगढ़ में सतनाली चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापित करने के लिए राजपूत समाज द्वारा 21 नवंबर को भूमि पूजन किया गया। बाबा जयराम दास मंदिर कमेटी के प्रधान भंवर

सिंह ने बताया कि सतनाली चौक पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा डिवाइडर के बीच में स्थापित की जाएगी। इसके लिए राज्य के लोक निर्माण विभाग से मूर्ति लगाने की अनुमति मिल चुकी है। उल्लेखनीय है कि सतनाली चौक पर महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापित करने के लिए स्थानीय समाजबंधु लंबे समय से प्रयासरत थे और उनके निरंतर प्रयासों से अब यह कार्य पूरा होने जा रहा है। भूमि पूजन के अवसर पर महाराणा प्रताप फाउंडेशन महेंद्रगढ़ के प्रधान रामकिशन, नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी, कुलदीप सुरजनवास, दीवान सिंह शेखावत, अशोक सिंह शेखावत, देशराज (सरपंच पाली), राजेश चौहान मोहनपुर, भाजपा नेत्री अर्चना ठाकुर, रणधीर सिंह, जयपाल पाली, राहुल राणा सहित राजपूत समाज के अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org